लंदन संग्रहालय से वाग्देवी की प्रतिमा भारत लाने केंद्र शासन को दे सकेंगे अभ्यावेदन

भोजशाला मामले में हाईकोर्ट का निर्णय ऐतिहासिक : महाधिवक्ता प्रशांत सिंह

जबलपुर। प्रदेश के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा कि भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद विवाद मामले में हाई कोर्ट की इंदौर बेंच का निर्णय ऐतिहासिक है। वे शुक्रवार को कोर्ट के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी दे रहे थे। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने साफ कर दिया है कि भोजशाला व कमाल मौला मस्जिद का विवादित परिसर 18 मार्च, 1904 से 1958 के अधिनियम के अंतर्गत संरक्षित स्मारक है। कोर्ट ने विवादित परिसर के धार्मिक स्वरूप को माता वाग्देवी (सरस्वती) के मंदिर सहित भोजशाला माना है। साथ ही एएसआई के निदेशक द्वारा सात अप्रैल, 2003 को पारित आदेश के उस भाग को निरस्त कर दिया गया है, जिसमें हिन्दू समुदाय के पूजा-अधिकारों को सीमित किया गया था व मुस्लिम समुदाय को नमाज की अनुमति प्रदान की गई थी। महाधिवक्ता सिंह ने बताया कि भारत सरकार व एएसआई को भोजशाला मंदिर के प्रशासन, प्रबंधन और संस्कृत शिक्षा की व्यवस्था के संबंध में निर्णय लेने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही आदेशित किया है कि एएसआई सम्पूर्ण परिसर के संरक्षण, प्रबंधन एवं धार्मिक गतिविधियों के

विनियमन की सर्वोच्च निगरानी संस्था बनी रहेगी। कोर्ट ने एएसआई को संरक्षण, संवर्धन व धार्मिक प्रवेश के नियमन पर पूर्ण पर्यवेक्षणीय अधिकार प्रदान किए हैं। लंदन संग्रहालय में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा को भारत वापस लाकर भोजशाला परिसर में पुनः स्थापित करने संबंधी मांग पर कोर्ट ने कहा है कि भारत सरकार प्रस्तुत अभ्यावेदनों पर विधिसम्मत विचार कर सकती है। मुस्लिम समुदाय के धार्मिक अधिकारों की रक्षा हेतु कोर्ट ने कहा है कि यदि संबंधित पक्ष धार जिले में मस्जिद अथवा नमाज स्थल निर्माण के लिए भूमि आवंटन का आवेदन प्रस्तुत करता है, तो राज्य सरकार विधि अनुसार उपयुक्त एवं स्थायी भूमि आवंटन पर विचार कर सकती है। कोर्ट ने हिन्दू फ्रंट फार जस्टिस व कुलदीप तिवारी द्वारा दायर याचिकाओं को स्वीकार किया, जबकि मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी, काजी जकुल्लाह सहित अन्य द्वारा दायर याचिकाएं व अपीलें निरस्त कर दीं।

इन्होंने रखा पक्ष

महाधिवक्ता सिंह ने बताया कि कोर्ट ने सभी पक्षों के वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा गरिमापूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में की गई बहस की सराहना की। यह निर्णय भोजशाला प्रकरण में लंबे समय से चले आ रहे विवाद के न्यायिक निष्कर्ष के रूप में देखा जा रहा है और इससे संबंधित प्रशासनिक एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के लिए नई दिशा निर्धारित होने की संभावना है। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह के साथ उनकी टीम के अतिरिक्त महाधिवक्ता नीलेश यादव, अतिरिक्त महाधिवक्ता राहुल सेठी, अतिरिक्त महाधिवक्ता धीरेन्द्र सिंह परमार, अतिरिक्त महाधिवक्ता आशीष यादव, अतिरिक्त महाधिवक्ता सोनल गुप्ता, उप महाधिवक्ता सुदीप भार्गव, उप महाधिवक्ता श्रेयराज सक्सेना, उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली, उप महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी ने पक्ष रखा।

पारा 41 डिग्री पर, बूंदाबांदी की संभावना

गर्मी बेकाबू, बादलों से उमस बढ़ी

जबलपुर। उफ ये गर्मी..! अब लोगों को बर्दाश्त नहीं हो रही है, कभी तेज धूप तो कभी छांव का खेल चल रहा है। बदली छाने से उमस बढ़ रही है दोपहर में धूप चुभने लगी है रात में उमस हलाकान करती है। मौसम विभाग के मुताबिक स्थानीय बादलों के छाने से उमस बढ़ रही है। दोपहर में सड़कें सूनी हो जातीं हैं। कड़ी धूप की वजह से सड़कें सूनी होने लगी हैं। लोग धूप से बचने के टोपी, गमछा बांधकर निकल रहे हैं। गर्मी में सूखे कंठों को तर करने शीतल पेय पदार्थ कोल्ड ड्रिंक, गन्ने का रस, आम का पना, नारियल पानी की तरफ लोग आकर्षित हो रहे हैं। गुरुवार को एक तरफ जहां सीजन का सबसे हाई टेम्प्रेचर रहा, वहीं रात में हल्की बारिश के बाद उमस तेज हो गई. मौसम विभाग ने कहा है कि पश्चिमी विक्षोप से अगले 24 घंटों के दौरान वर्षा भी हो सकती है।

मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार बादलों की बसाहट के बीच तापमान में उछाल बरकरार है। उमस भरी गर्मी जनजीवन प्रभावित है। आसमान पर बदली के छाने से उमस बढ़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान 41.8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया, जो 1 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 28.02 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 50 प्रतिशत और सायंकाल 35 प्रतिशत आंकी गई। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 38.05 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 28.02 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। पश्चिमी हवाएं 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। प्रदेश में सबसे अधिक 44.8 डिग्री तापमान विदिशा और छतरपुर जिले में दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान पश्चिमी विक्षोप से जिले में कुछ स्थानों पर वर्षा की संभावना है। गत वर्ष आज का अधिकतम तापमान 38.5 और न्यूनतम तापमान 28.02 रहा।

जनभागीदारी से जबलपुर को स्वच्छता के शिखर पर पहुंचाने की तैयारी

स्वच्छता की नई उड़ान : जबलपुर को नंबर-1 बनाने आगे आएं नागरिक : मंत्री राकेश सिंह

जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत संस्कारधानी जबलपुर को देश का सबसे स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित शहर बनाने के लिए शहरवासियों में उत्साह का माहौल है। म.प्र. शासन के लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह ने नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन और जनता के संयुक्त प्रयास से जबलपुर स्वच्छता के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, बेहतर

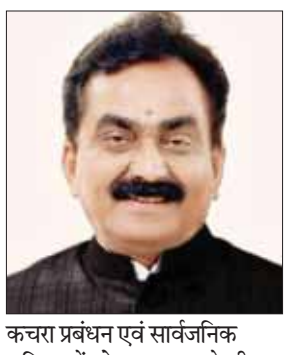

कचरा प्रबंधन एवं सार्वजनिक सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। वहीं, जागरूक नागरिक क्यूआर कोड और एसबीएम अर्बन लिंक के माध्यम से अपने सुझाव एवं फीडबैक सीधे प्रशासन तक पहुंचाकर शहर के विकास में भागीदारी निभा रहे हैं। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में नागरिकों की एक छोटी-सी प्रतिक्रिया भी जबलपुर के उज्ज्वल भविष्य का आधार बन सकती है। उन्होंने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में फीडबैक देने का आग्रह करते हुए कहा कि "आइए, मिलकर अपनी संस्कारधानी को देश का गौरव बनाएं।"

रक्त सहभागिता स्वास्थ्य शिविर 17 को

सिहोरा। लफज़ वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में आगामी 17 मई को बी डी हाईस्कुल मैदान में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रक्त सहभागिता स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में थैलीसीमिया,शुगर,ब्लड प्रेसर,ब्लड ग्रुप रिपोर्ट निशुल्क जांच की जायेगी।

दर्शनी में श्रीराम कथा एंव मारुति महायज्ञ 18 से

सिहोरा। निकटवर्ती ग्राम दर्शनी के श्री बघराज बाबा हनुमान मंदिर में श्रीराम कथा के साथ पंचकुंडीय श्री मारुति महायज्ञ का आयोजन किया गया है। जिसमें आगामी 18 मई को यज्ञ की भव्य कलशयात्रा निकाली जायेगी जो ग्राम का भ्रमण करते हुए यज्ञ स्थल में संपन्न होगी। श्री बजरंग दास रामायणी अयोध्या धाम हमीरपुर दोपहर 3.30 बजे से कथा की मीमांसा करेंगे तथा यज्ञाचार्य पंडित अमित कृष्ण शास्त्री रहेंगे। राम कथा में 19 को श्रीराम,शिव चरित्र,20 मनु सतरुपा कथा,21 श्रीराम अवतार बाल लीलाएं,22 मुनि आगमन अहिल्या उद्धार,23 श्रीराम विवाह महोत्सव,24 श्रीराम वन गमन,भक्त केवट प्रसंग,25 भरत चरित्र,मां सीता खोज,हनुमान चरित्र,रावण बध,अयोध्या आगमन एंव 26 को पूर्णाहुति के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति ने समस्त भक्तों से यज्ञ में पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

पहली बैठक में मांगी लंबित परियोजनाओं की रिपोर्ट

एक्शन में नवागत जेडीए अध्यक्ष!

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष संदीप जैन ने कार्यभार संभालते ही एक्शन मोड में काम शुरू कर दिया है। पद एवं शपथ ग्रहण के बाद शुक्रवार को पहली बार जेडीए कार्यालय पहुंचे अध्यक्ष ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा की और लंबित परियोजनाओं की रिपोर्ट तलब कर ली। कार्यालय पहुंचने पर जेडीए के सीईओ दीपक वैद्य ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। इस दौरान उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी भी मौजूद रहे। लंबे समय बाद जेडीए में अध्यक्ष पद की सक्रिय वापसी से कार्यालय का माहौल भी बदला हुआ नजर आया।

पहली औपचारिक बैठक में अध्यक्ष संदीप जैन ने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा जेडीए की कार्यप्रणाली को समझने का प्रयास किया। बैठक में शहर में चल रही विकास योजनाओं, अधूरे प्रोजेक्ट्स और लंबित मामलों पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों के कार्यों की जानकारी अध्यक्ष को दी।

शहर विकास प्राथमिकता

बैठक के दौरान संदीप जैन ने स्पष्ट कहा कि शहर का विकास उनकी पहली प्राथमिकता है और विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर से जुड़े जितने भी लंबित विकास कार्य हैं, उनकी विस्तृत सूची तैयार कर जल्द प्रस्तुत की जाए। अध्यक्ष ने उन परियोजनाओं की भी जानकारी मांगी जिनमें लंबे समय से देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि अधूरी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा ताकि शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में जेडीए की कार्यप्रणाली में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। प्राधिकरण अब अटकी परियोजनाओं को गति देने, विकास कार्यों में पारदर्शिता लाने और शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर फोकस करेगा।

जीआरपी जबलपुर की सतर्कता ने नाबालिग बालिका को परिजनों से मिलाया

जबलपुर। ड्यूटीरत सउनि नरेश कुमार चौधरी प्र.आर. 361 शकील सिद्धकी म.आर. 245 मनीषा दुबे द्वारा एक बालिका उम्र 16 वर्ष जो भटककर रेलवे स्टेशन जबलपुर आ गई थी, को सद्भावनापूर्वक थाना लाकर परिजनों से सम्पर्क किया गया एवं आत्मीयता के साथ पूछताछ की

गई। सूचना मिलते ही बालिका के माता-पिता जो बालिका के गुमने की रिपोर्ट थाना मिर्जापुर लिखाने जा रहे थे, सूचना मिलने पर तत्काल ट्रेन पकड़कर थाना जीआरपी जबलपुर पहुंचे, जहां उन्हें बालिका को सुरक्षित सुपुर्द किया गया। परिवारजनों ने गुम बालिका से मिलाने के लिए पुलिस स्टाफ का आभार व्यक्त किया गया।

आयोग के अध्यक्ष को सौंपा मांगों का ज्ञापन

बरेला। मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष रामलाल रोतेल के जबलपुर नगर आगमन पर आदिवासी नेताओं के द्वारा मिलकर आदिवासियों के ऊपर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ, आदिवासी जमीनों पर भू माफिया द्वारा कब्जा, वन विभाग के द्वारा आदिवासियों की जमीनों पर कब्जा कर बेदखल करने की धमकी, आदिवासी शिक्षका पर हो रहे अत्याचार , के खिलाफ एक मांग पत्र सोपा गया । अध्यक्ष के द्वारा ध्यान पूर्वक सभी बातों को सुनकर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया ।

जिसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री रुक्मणी गोटिया , जिला ग्रामीण आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष नीलेश बरकडे , शहर जिला अध्यक्ष धीरेंद्र संजू ठाकुर , जिला पंचायत सदस्य रामकुमार सैयाम , महिला उत्पीड़न कांग्रेस अध्यक्ष उमा उइके , जिला पंचायत सदस्य मुन्नीबाई उइके , वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री रमा ध्रुव , राम रावत गोटिया , विष्णु गोटिया , बलराम गोटिया सभी आदिवासी जन उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देश पर पटाखा दुकानों की सख्त जांच, नियमों के पालन पर जोर

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने जिले में संचालित बारहमासी पटाखा संग्रहण, विक्रय एवं विनिर्माण स्थलों की सघन जांच के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने अनुविभागीय दंडाधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों को संयुक्त दल गठित कर निरीक्षण करने तथा विस्फोटक अधिनियम 1884, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 एवं विस्फोटक नियम 2008 का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने को कहा है। आदेश के अनुसार निरीक्षण के दौरान स्टॉक का भौतिक सत्यापन, स्टॉक रजिस्टर का मिलान, बिल-बुक, कैश मेमो, जीएसटी विवरण, लाइसेंस शर्तों का पालन, फायर एनओसी की स्थिति, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, लाइसेंस नवीनीकरण तथा आबादी एवं संवेदनशील स्थलों से सुरक्षित दूरी जैसे बिंदुओं की जांच की जाएगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध विस्फोटक सामग्री पाए जाने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जब्त सामग्री के विनिष्टीकरण की कार्रवाई का फोटोग्राफ सहित प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में शहपुरा एवं कटंगी क्षेत्र में राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण कर पटाखा दुकानों एवं संग्रहण स्थलों की जांच की गई और लाइसेंसधारियों को सभी नियमों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी गई।

निगमायुक्त ने आधारताल संभाग के वार्डों का किया दौरा, सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

जबलपुर। नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से साफ-सफाई का कार्य लगातार किया जा रहा है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने आज शहर के विभिन्न क्षेत्रों का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आधारताल संभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न वार्डों का बारीकी से निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने वार्डों में साफ-सफाई की स्थिति

को देखा और स्वच्छता कर्मियों को नियमित रूप से कचरा उठाने तथा सड़कों की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निगमायुक्त ने मौके पर ही अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और वार्डों की छोटी-मोटी समस्याओं को तत्काल दूर करने के कड़े निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त देवेन्द्र चैहान, सहायक आयुक्त अंकिता बर्मन, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अर्जुन यादव, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक मोनिका तुकाराम, दीप्ति चौधरी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बिना लाइसेंस संचालित ठाकुर चाट भंडार पर मामला दर्ज, लॉ यूनिवर्सिटी मेस को सुधार नोटिस

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा मिलावट रोकथाम अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान दीक्षितपुरा स्थित 'ठाकुर चाट भंडार' में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर मामला दर्ज किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रतिष्ठान बिना वैध खाद्य लाइसेंस के संचालित हो रहा था और किचन की स्थिति अत्यंत अस्वच्छ एवं अस्वास्थ्यकर थी। वहां न तो उचित ढांचा था और न ही स्वच्छता मानकों का पालन किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से खाद्य निर्माण कार्य रुकवा दिया। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 31(2) एवं 56 के तहत दर्ज किया गया है, जिसे आगे की कार्रवाई हेतु सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। इसी क्रम में सिविल लाइन स्थित धर्मशाला लॉ यूनिवर्सिटी के मेस का भी औचक निरीक्षण किया गया, जहां किचन में गंदगी पाए जाने पर संचालक को सुधार सूचना पत्र जारी किया गया है। साथ ही पांच दिन के भीतर साफ-सफाई एवं व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए हैं तथा खाद्य सामग्री के नमूने जांच हेतु जब्त किए गए हैं।

नाम सुधार सूचना

मैं तारा युवराज पारखी पति युवराज दादा पारखी उम्र लगभग 73 वर्ष निवासी मकान नंबर 448 रामनगर, रामपुर पोस्ट ऑफिस पोलीपाथर विद्युत नगर जबलपुर म.प्र. पिन - 482008 शपथ पूर्वक घोषणा करती हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम तारा पारखी दर्ज है जबकि मेरे पेन कार्ड, आधारकार्ड में मेरा नाम तारा युवराज पारखी दर्ज हैं। यह कि तारा पारखी एवं तारा युवराज पारखी एक ही व्यक्ति अर्थात मुझ शपथकर्ती के ही नाम हैं यह कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम तारा पारखी के स्थान पर तारा युवराज पारखी दर्ज किया जावे तथा मुझे इसी नाम से जाना, पहचाना जावे एवं दर्ज किया जावे।

पुराना नाम- तारा पारखी (TARA PARKHI)
नया / सही नाम- तारा युवराज पारखी (TARA YUWARAJ PARKHI)

बिजुरी का खूनी रहस्य

रातभर चली मौत की पटकथा

घर में महिला की लाश, बाहर युवक का शव

अनूपपुर जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र में महिला और युवक की संदिग्ध हत्या ने पूरे इलाके को दहला दिया है। एक शव घर के भीतर मिला तो दूसरा बाहर सड़क किनारे पड़ा था। धारदार हथियार से हत्या की आशंका के बीच पुलिस जांच में जुटी है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर उस रात ऐसा क्या हुआ जिसने दो जिंदगियों को मौत के अंधेरे में धकेल दिया? चीखें सुनी गईं, खून बहा, लेकिन सच अब भी परदे के पीछे छिपा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र के भालू गुडार वार्ड क्रमांक 7 में शुक्रवार की सुबह जब लोगों की नजर खून से सने शवों पर पड़ी, तो पूरा इलाका सन्न रह गया। 45 वर्षीय महिला का शव घर के भीतर पड़ा था, जबकि 26 वर्षीय युवक की लाश बाहर सड़क किनारे मिली। प्रारंभिक जांच में धारदार हथियार से हमले की आशंका जताई जा रही है। पुलिस, डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची, लेकिन कई सवाल अब भी जवाब मांग रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार रात में चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनाई दी थीं। मृत युवक शराब के नशे में घर लौटा था और महिला के घर के बाहर कुछ लोगों की मौजूदगी की भी चर्चा है। इस दोहरे हत्याकांड ने सिर्फ दो परिवारों को नहीं तोड़ा, बल्कि इलाके की कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल है कि क्या यह सिर्फ हत्या है या इसके पीछे कोई गहरी साजिश छिपी है?

मौत की वो रात, जब चीखें दब गईं

गुरुवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात बिजुरी के उस छोटे से मोहल्ले में कुछ ऐसा हुआ जिसने सुबह होते-होते पूरे क्षेत्र को खौफ में डाल दिया। लोगों ने देर रात चीखने और विवाद जैसी आवाजें सुनने की बात कही, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा था कि सुबह दो लाशें मिलेंगी। एक महिला घर के भीतर मृत पड़ी थी, जबकि युवक का शव बाहर सड़क किनारे पड़ा मिला। दोनों शवों की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि हमलावर बेहद बेरहमी से वार कर फरार हुए। खून के निशान, टूटी हुई शांति और सहमे हुए लोग, पूरा दृश्य किसी क्राइम थ्रिलर से कम नहीं था।

शराब, विवाद या पुरानी रंजिश? जांच में उलझे सवाल

पुलिस की शुरुआती जांच कई संभावनाओं की तरफ इशारा कर रही है। मृत युवक के परिजनों का कहना है कि वह शराब पीकर घर लौटा था और किसी बात को लेकर विवाद हुआ होगा। वहीं महिला के घर के बाहर कुछ संदिग्ध लोगों की मौजूदगी की चर्चा ने मामले को और रहस्यमयी बना दिया है। क्या यह आपसी विवाद था? क्या पुरानी दुश्मनी ने खूनी रूप लिया? या फिर किसी ने सुनियोजित तरीके से दोनों को मौत के घाट उतारा? फिलहाल पुलिस हर एंगल से जांच की बात कर रही है, लेकिन इलाके में दहशत का माहौल साफ दिखाई दे रहा है।

पोस्टमार्टम पर अड़ा परिवार, प्रशासन पर उठे सवाल

मृत युवक की बहन ने पोस्टमार्टम से पहले बड़े अधिकारियों को बुलाने की मांग कर दी। उनका कहना था कि जब तक वरिष्ठ अधिकारी मौके पर नहीं आएंगे, शव नहीं उठने दिया जाएगा। यह सिर्फ भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि सिस्टम पर अविश्वास की तस्वीर भी थी। अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में हत्या जैसे मामलों में जांच की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। यही वजह है कि इस बार परिवार खुलकर सामने आया। लोगों का कहना है कि अगर शुरुआत से सख्त कार्यवाही नहीं हुई तो मामला भी बाकी फाइलों की तरह धूल खा जाएगा।

बिजुरी का दोहरा हत्याकांड कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल

यह घटना सिर्फ दो लोगों की हत्या नहीं, बल्कि उस डर की तस्वीर है जो अब गांव-कस्बों में भी गहराने लगा है। अगर रात के अंधेरे में कोई घर के भीतर घुसकर हत्या कर सकता है और दूसरा शव सड़क पर फेंक सकता है, तो आम नागरिक खुद को कितना सुरक्षित महसूस करेगा? बिजुरी का यह डबल मर्डर प्रशासन के लिए एक चेतावनी है। अपराधियों के हौसले तभी टूटेंगे जब जांच तेज, निष्पक्ष और पारदर्शी होगी। वरना हर नई सुबह किसी और चीख, किसी और खून और किसी और मातम की खबर लेकर आएगी।

दिनदहाड़े नकली पिस्टल अड़ाकर वसूली करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कोतवाली पुलिस ने पेट्रोल पंप पर अधिवक्ता से नकली पिस्टल अड़ाकर अवैध वसूली, धमकी और मारपीट करने वाले दो आरोपियों को वारदात के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त नकली पिस्टल, लोहे का डंडा और रॉयल इनफील्ड मोटरसाइकिल जब्त की है।

जानकारी के अनुसार जिला न्यायालय अनूपपुर के अधिवक्ता मानवेंद्र सिंह गुरुवार दोपहर केड़िया पेट्रोल पंप जैतहरी रोड पर अपनी मोपेड में पेट्रोल डलवाने पहुंचे थे। इसी दौरान रॉयल इनफील्ड बाइक से पहुंचे दो युवकों ने अपनी बाइक में 500 रुपये का पेट्रोल डलवाने को लेकर विवाद शुरू कर दिया। मना करने पर एक युवक ने कमर से नकली पिस्टल निकालकर अधिवक्ता पर तान दी, जबकि दूसरे ने बाइक में लगा लोहे का डंडा निकालकर धमकाया। बताया गया कि अधिवक्ता के वहां से निकलने के बाद आरोपियों ने रास्ते में फिर रोककर गाली-गलौज करते हुए पेट्रोल के लिए पैसे मांगे और लोहे के डंडे से मारपीट की। मामले की शिकायत पर कोतवाली थाना में विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया। टीआई अरविंद जैन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज और बाइक नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान कर शहडोल से शांतनू मौर्य और दीपक पकवासा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि नकली पिस्टल और लोहे का डंडा ऑनलाइन खरीदा गया था। दोनों आरोपियों पर पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस की त्वरित कार्रवाई की अधिवक्ता संघ ने सराहना की है।

युवक की मौत के बाद परिजनों ने राजनगर थाने के सामने शव रखकर किया घेराव

छतरपुर। जिले के थाना राजनगर के अंतर्गत ग्राम पिपट गांव से एक सनसनी खेज मामला सामने आया है। गांव के युवक देवीदीन कुशवाहा की मौत के बाद गांव में भारी तनाव की स्थिति बन गई है। मृतक ने फांसी लगाने से पहले एक बीडियो वायरल किया था। जिसमें स्पष्ट आरोप लगा रहा है कि जोशी परिवार के लोग उसे प्रताड़ित कर रहे है। छेड़छाड़ का झूठा मामला दर्ज करा रहे है और गुण्डा घर में भेजकर परिवार को परेशान करवा रहे है। यह बीडियो वायरल करने के बाद देवीदीन कुशवाहा ने फांसी लगा ली थी जिसे ईलाज के लिए ग्वालियर ले जाया गया था लेकिन तीन दिन तक चले ईलाज के बाद देवीदीन कुशवाहा ने दम तोड़ दिया। लेकिन पुलिस ने प्रताड़ित करने वालो के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की जिससे घटना से आक्रोशित परिजन शव को पिकअप वाहन मे रखकर राजनगर थाने के सामने पहुचे और मुख्य मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाए कि पुलिस आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी द्वारा निष्पक्ष जांच और कार्यवाही का आश्वासन दिए जाने के बाद परिजनों ने जाम खोल दिया। जिस दौरान परिजन थाने के सामने शव रखकर चक्काजाम कर रहे थे उस समय एसडीओपी मनमोहन सिंह बघेल पहुंच गए थे और उन्होंने भी परिजनों को चक्काजाम न करने की समझाईश दी थी।

नाबालिग बालिका को आत्महत्या के लिये उकसाने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट की हट्टा पुलिस ने एक नाबालिग को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में ढाई महीने बाद एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सालेटेका निवासी रोहित पिता अशोक चामलाटे (21) के रूप में हुई है। उसे शुक्रवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी और नाबालिग पहले से परिचित थे। युवक नाबालिग से शादी करना चाहता था, लेकिन लड़की के नाबालिग होने के कारण यह संभव नहीं हो सका। इसके बाद से युवक लगातार उसे परेशान कर रहा था।

बताया जाता है कि 22 फरवरी को नाबालिग और युवक के बीच फिर से विवाद हुआ था। इसके बाद नाबालिग ने एक सुसाइड नोट लिखकर फांसी लगा ली थी।

थाना प्रभारी अविनाश राठौड़ ने बताया कि 22 फरवरी को थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बालिका ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जांच में सामने आया कि बालिका की सालेटेका निवासी युवक से जान-पहचान और मित्रता थी। युवक लगातार फोन पर बालिका के संपर्क में रहता था और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। पुलिस ने बताया कि नाबालिग ने युवक की मानसिक प्रताड़ना से आहत होकर आत्महत्या की थी। उसके सुसाइड नोट में भी युवक द्वारा प्रताड़ित किए जाने की बात लिखी थी। सुसाइड नोट की हस्तलिपि विशेषज्ञ से जांच कराई गई, जिसमें लिखावट नाबालिग की पाई गई। जांच के उपरांत आरोपी युवक पर बालिका को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप सही पाया गया। इसके बाद उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 107 के तहत अपराध दर्ज किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

इस पूरी कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक विजय कुमार पटले, प्रधान आरक्षक निखिलेश अग्निहोत्री, नंदकिशोर ठाकुर और कमलेश भौतेकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वन रक्षक का गजब कारनामा

सागौन की अवैध कटाई कर महाराष्ट्र में बेचा

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

बालाघाट जिले के दक्षिण वन मंडल सामान्य वन परिक्षेत्र कटंगी के अंतर्गत आने वाले कन्हडगांव सर्कल के आम्बेझरी बीट में घटित घटना ने पूरे वन विभाग को हिला कर रख दिया है। वन रक्षक संतोष चौबे और उनके दो वन चौकीदारों पर 6 बेशकीमती सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई कर उन्हें महाराष्ट्र प्रांत में बेचने का कथित आरोप लगने का मामला सामने आया है। इस घटना ने फिर एक बार वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। परिक्षेत्र सहायक ओ.पी.जगने के मुताबिक आम्बेझरी कक्ष क्रमांक 570 में वन रक्षक संतोष चौबे ने अपने दो चौकीदारों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से सागौन के पेड़ों की कटाई कराई है यह मामला उनके संज्ञान में आया। मौका निरीक्षण और चौकीदारों सहित वन रक्षक के बयान के आधार पर प्रतिवेदन बनाकर वन परिक्षेत्र अधिकारी को भेजा गया है। परिक्षेत्र अधिकारी बी.एल.चढ़ार ने बताया की विभागीय कार्रवाई जारी है। बता दें सागौन, को जंगल का सोना कहा जाता है। सागौन अपनी मजबूती और टिकाऊपन के कारण अत्यधिक मूल्यवान माना जाता है। जिसके पेड़ों को काटकर कथित तौर पर महाराष्ट्र में बेच दिया गया। वहीं सबूत मिटाने के लिए पेड़ों के ठूंठों पर आग लगा दी गई ताकि किसी को कटाई का प्रमाण न मिल सके। लेकिन वन विभाग की सतर्कता और डिप्टी रेंजर ओमप्रकाश जगने की त्वरित कार्रवाई ने इस षड्यंत्र को उजागर कर दिया। 13 मई को विभागीय अफसरों के संज्ञान में यह मामला आया। जिसके बाद जांच कार्रवाई शुरू की गई है।

वन रक्षक और चौकीदारों के लिए गए कथन: जंगल से पेड़ों की कटाई की सूचना मिलते ही डिप्टी रेंजर ओमप्रकाश जगने मौके पर पहुंचे। निरीक्षण करने पर उन्होंने पाया कि आम्बेझरी बीट में सागौन के पेड़ों की कटाई की गई है। गहन जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि इस अवैध कार्य में बीट गार्ड संतोष चौबे और उनके दो चौकीदार सीधे तौर पर शामिल हैं। चौकीदारों ने अपने कथन में बताया कि संतोष चौबे ने पेड़ों की कटाई कर महाराष्ट्र के लोभी गांव में सागौन बेचा है जबकि वन रक्षक ने अपने कथन में ठीक इसके विपरित बात बताई है। वन रक्षक के अनुसार उसे सूचना मिली थी कि सागौन की अवैध तस्करी हो रही थी। जिसका वह पीछा कर रहे थे। डिप्टी रेंजर ने तीनों के कथनों के आधार पर प्रतिवेदन बनाकर आगे की कार्रवाई के लिए इसे कटंगी रेंज अधिकारी को सौंप दिया।

वन रक्षक की करतूत से वन विभाग पर सवाल: वन विभाग का मुख्य कार्य जंगलों की सुरक्षा, वन्यजीवों का संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन है। लेकिन जब विभाग के ही कर्मचारी अवैध गतिविधियों में शामिल पाए जाते हैं, तो यह पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगा देता है। इस घटना ने यह साबित कर दिया कि यदि निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत न हो, तो जंगलों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इस मामले में भी वन रक्षक और चौकीदारों पर कठोर कार्रवाई की संभावना है। रेंजर के मुताबिक दोषियों पर विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जान से मारने की धमकी, पुलिस पर संरक्षण देने का आरोप

छतरपुर। जनपद के राजनगर थाना अंतर्गत ग्राम तालगाँव से एक मामला सामने आया है, जहाँ एक वृद्ध महिला ने अपने ही परिवार के सदस्यों पर फसल लूटने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता गेंदा बाई पटेल, पत्नी स्वर्गीय काशी पटेल, ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँचकर न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़िता द्वारा सौंपे गए शिकायती पत्र के अनुसार, वह ग्राम तालगाँव की निवासी है और खेती के माध्यम से ही अपना भरण-पोषण करती है। गेंदा बाई का आरोप है कि उनके परिवार के ही रामस्वरूप पटेल, मुन्नीलाल पटेल, खूबचंद्र पटेल, सूरज पटेल, भेलाराम और नेता नामक व्यक्तियों ने उनकी मेहनत से तैयार की गई फसल को जबरन काट लिया। पीड़िता ने बताया कि उनके पुत्र का निधन हो चुका है और वह गाँव में अकेली रहती हैं, जिसका फायदा उठाकर ये लोग लगातार उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं। अपनी सुरक्षा और फसल कटाई में मदद के लिए जब उन्होंने अपने भाई के पुत्र महेंद्र पटेल को ग्राम डबरी से बुलाया, तो आरोपियों ने उन दोनों के साथ अमद्र गाली-गलौज की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल हैं। पीड़िता का कहना है कि उन्होंने इसकी शिकायत राजनगर थाने में भी की थी, जहाँ पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ तो की और आरोपियों ने अपना जुर्म भी कबूल किया, लेकिन इसके बावजूद पुलिस ने उनके खिलाफ कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं की।

लापरवाही की भेंट चढ़ा मासूम: मेडिकल कॉलेज के सेप्टिक टैंक में डूबने से 5 वर्षीय बालक की मौत

धार से माता-पिता के साथ सतना आया था आयुष

सतना। कोलगवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज परिसर से एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ गुरुवार शाम से लापता 5 वर्षीय मासूम आयुष डामोर का शव शुक्रवार दोपहर परिसर में ही बने एक गहरे सेप्टिक टैंक से बरामद किया गया। मासूम की मौत के बाद लेबर क्वार्टर और पीड़ित परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खेलते-खेलते अचानक लापता हुआ था बालक

प्राप्त जानकारी के अनुसार,धार जिले के राजगढ़ का निवासी आयुष अपने मजदूर माता-पिता के साथ सतना आया हुआ था। मेडिकल कॉलेज परिसर में एक नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य चल रहा है,जिसका ठेका धार के ही ठेकेदार गुलाब सिंह के पास है। ठेकेदार अपने साथ धार से मजदूरों को काम पर लेकर आए हैं,जिनके परिवार परिसर के समीप ही बने लेबर क्वार्टर में रह रहे हैं। गुरुवार शाम को टेटिया डामोर का बेटा आयुष खेलते-खेलते अचानक गायब हो गया था। परिजनों और ठेकेदार ने रातभर उसकी काफी खोजबीन की,लेकिन सुराग न मिलने पर देरात कोलगवां थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई।

8 फीट गहरे पानी से लबालब टैंक में मिला शव

शुक्रवार को पुलिस और परिजनों ने नए सिरे से तलाश शुरू की।दोपहर करीब 3 बजे निर्माणाधीन बिल्डिंग के पास बने 8 फीट गहरे सेप्टिक टैंक में आयुष का शव उतराता हुआ मिला। टैंक पानी से पूरी तरह लबालब भरा हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को रोते-बिलखते परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। इस संबंध में मजदूरों का कहना है कि उन्होंने गुरुवार को भी इस टैंक में आयुष को ढूंढा था,लेकिन तब वहां कुछ नजर नहीं आया था। प्रारंभिक जांच और परिस्थितियों को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि यह दर्दनाक हादसा निर्माण स्थल पर सुरक्षा की भारी अनदेखी के कारण हुआ।आठ फीट गहरे और पानी से भरे इस सेप्टिक टैंक को ऊपर से ढकने के लिए सीमेंट की एक बेहद पतली व कमजोर शीट का इस्तेमाल किया गया था।माना जा रहा है कि खेलते समय आयुष का पैर उस शीट पर पड़ गया,जिससे वह वजन नहीं संभाल पाई और टूट गई।

अकबर वार्ड हत्याकांड ने खोली पुलिस व्यवस्था की पोल

अगर पुलिस समय पर मदद करती तो मेरा भाई आज जिंदा होता

हरिभूमि न्यूज:सिवनी। अकबर वार्ड में हुई सनसनीखेज हत्या की घटना ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। इस हत्याकांड के बाद मृतक के परिजनों का दर्द अब पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। मृतक का भाई बार-बार यही कह रहा है कि अगर पुलिस पहले मदद करती, तो शायद मेरा भाई आज जिंदा होता। परिजनों का आरोप है कि हत्या से पहले ही उन्होंने संभावित खतरे की जानकारी पुलिस को दी थी और सुरक्षा की गुहार लगाई थी, लेकिन उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया गया। अब घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है और लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुलिस दिखावे और औपचारिकताओं में ज्यादा व्यस्त दिखाई देती है। रोजाना शाम को पैदल मार्च और कानून व्यवस्था के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। सवाल यह उठ रहा है कि जब पीड़ित परिवार पहले ही खतरे की आशंका जता चुका था, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई? अकबर वार्ड की इस दर्दनाक घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय पर हस्तक्षेप होता, तो शायद एक परिवार उजडने से बच सकता था। जिलेवासियों में इस घटना को लेकर भारी रोष है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई के साथ-साथ पुलिस की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। नागरिकों का कहना है कि केवल पैदल मार्च और दिखावटी सख्ती से कानून व्यवस्था नहीं संभलती, बल्कि समय पर संवेदनशील कार्रवाई ही असली पुलिसिंग कहलाती है। क्या आम नागरिक की शिकायत अब केवल कागजों तक सीमित रह गई है?

जन-समुदाय को लू (तापघात) के प्रकोप से बचने के लिए एडवायजरी जारी की गई है।

भोपाल। एडवाइजरी में जन सामान्य को लू से बचाव हेतु अपनाई जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला गया है। एडवाइजरी के मुताबिक पानी, छांछ, ओ.आर.एस. का घोल या घर में बने पेय जैसे लस्सी, नीबू पानी, आम का पना का सेवन करने से लू से बचा जा सकता है। इसके साथ ही धूप में निकलते समय सिर ढककर रखना चाहिए। धूप में निकलते समय कपड़े, टोपी या छतरी का उपयोग करना चाहिए। धूप में निकलने के पूर्व तरल पदार्थ का सेवन करना चाहिए और शरीर में पानी की कमी नहीं होने देना चाहिए।मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार सूर्य दाह या सनबर्न होने पर प्रभावित को त्वचा पर लाल चकता, सूजन, फफोले, सिरदर्द के लक्षण प्राप्त होने पर उसे बार-बार नहलाना चाहिए। यदि फफोले निकल आएं हो तो स्टरलाइज ड्रेसिंग करनी चाहिए और डॉक्टर की सलाह लेना चाहिए। ताप के कारण शारीरिक ऐठन, पैर एवं पेट की मांसपेशियों तथा शरीर के बाहरी भागों में तकलीफ और अत्यधिक पसीना आने पर प्रभावित को तत्काल छाँवदार स्थल पर ले जाना चाहिए। शरीर का वह भाग जहां ऐंठन हो रही हो, उसे जोर से दबाना चाहिए और धीरे-धीरे सहलाना चाहिए। लू लगाने पर प्रभावित को शीतल जल, छाछ अथवा पना भी पिलाया जा सकता है। इस दौरान प्रभावित को उबकाई आने पर शीतल पेय पिलाना तुरंत बंद कर देना चाहिए और उसे फौरन नजदीकी प्राथमिक चिकित्साकेन्द्र पर ले जाना चाहिए। इसके अलावा अत्यधिक थकावट एवं शारीरिक खिंचाव का अनुभव होने की स्थिति में प्रभावित को अत्यधिक पसीना, कमजोरी, सिरदर्द, शरीर ठंडा और पीला पड़ जाने एवं नब्ज कमजोर पड़ जाने, मूर्छित हो जाने और उल्टी जैसे लक्षण प्राप्त होने पर प्रभावित को छायादार स्थल पर लिटा कर शरीर पर ठंडे औरगीले कपड़े से स्पंजिंग करना चाहिए। यदि संभव हो तो उसे वातानुकूलित कमरे में ले जाना चाहिए।तापदाह (हीट स्ट्रोक) की स्थिति में अत्यधिक बुखार, अत्यधिक गर्म एवं सूखी त्वचा, तेज नब्ज या बेहोशीपर तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुँचाना चाहिए।

हाथियों का खूनी तांडव: शहडोल के गिरवा में एक की मौत, दहशत में ग्रामीण

शहडोल। संभाग के शहडोल और अनूपपुर जिलों में जंगली हाथियों का आतंक अब बेकाबू हो चला है। अनूपपुर जिले में लगातार मचे कोहराम के बाद अब शहडोल जिले के अमलाई थाना अंतर्गत गिरवा गांव में एक जंगली हाथी ने भारी तबाही मचाई है। यहां हाथी ने न केवल एक ग्रामीण को मौत के घाट उतार दिया, बल्कि घर के बाहर बंधी एक गाय को भी कुचलकर मार डाला। इस हृदयविदारक घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में मातम और आक्रोश का माहौल है। अनूपपुर और शहडोल में यदि पिछले कुछ वर्षों का रिकॉर्ड देखा जाए, तो हर साल हाथियों के हमले में औसतन 10 से अधिक लोग अपनी जान गंवा देते हैं। खासकर जयसिंहनगर और जैतहरी जैसे क्षेत्रों में यह संघर्ष अब एक सालाना त्रासदी बन चुका है।

मुआवजे और सुरक्षा की मांग

क्षेत्र में बढ़ती इन घटनाओं और वन विभाग की विफलता के खिलाफ समाजसेवी जितेन्द्र सिंह ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और वन विभाग के उच्चाधिकारियों को एक मार्मिक पत्र लिखकर मानवीय जीवन की रक्षा की गुहार लगाई है। श्री सिंह ने कड़े शब्दों में कहा है कि आदिवासी बाहुल्य अनूपपुर और शहडोल जिले पिछले 5 वर्षों से हाथियों के तांडव से त्रस्त हैं, लेकिन प्रशासन मौन है। उन्होंने मांग की है कि मृत व्यक्तियों के आश्रितों को दी जाने वाली 8 लाख रुपये की मामूली राशि को बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये किया जाए और परिवार के एक सदस्य को वन विभाग में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाए।

टॉर्च का झुनझुना थामे वन विभाग की लाचारी

मीडिया में प्रसारित खबरों के अनुसार, वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। समाजसेवी जितेन्द्र सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि वन विभाग के पास हाथियों को नियंत्रित करने के लिए कोई आधुनिक तकनीक या विशेषज्ञ नहीं हैं। विभाग के मैदानी अमले को मात्र टॉर्च का झुनझुना पकड़ा दिया गया है, जिससे वे केवल दूर से हाथियों का पीछा करते हैं और मकानों को जमींदोज होते देखते रहते हैं। विभाग केवल ग्रामीणों को घरों में कैद रहने की सलाह देता है, लेकिन उनकी सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाता।

खौफ के साये में ग्रामीण

हाथियों का यह हिंसक व्यवहार अब गांवों के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। समाजसेवी ने प्रशासन को चेताया है कि यदि कोई ग्रामीण आत्मरक्षार्थ हाथियों से बचने का प्रयास करता है, तो विभाग उसे वन्यजीव अधिनियम का उल्लंघन मानकर अपराधी बना देता है। विडंबना यह है कि इंसानी हिंसा पर तो कड़ी सजा का प्रावधान है, लेकिन दर्जनों इंसानों और मवेशियों को मारने वाले इन हाथियों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। मांग की गई है कि हिंसक हाथियों को तत्काल ट्रैकुलाईज (बेहोश) कर सांकलों में कैद किया जाए या उन्हें जिले की सीमा से बाहर खदेडने के लिए कोई विशेष कार्य योजना बनाई जाए।

क्रांतिकारी आंदोलन की दी चेतावनी

समाजसेवी जितेन्द्र सिंह और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि सरकार ने तत्काल प्रभाव से भरपूर मुआवजा और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए, तो जनता का यह आक्रोश जल्द ही एक क्रांतिकारी आंदोलन का रूप ले सकता है। फिलहाल शहडोल और अनूपपुर की सीमा पर हाथियों का दल बना हुआ है और प्रशासन की टीमें केवल निगरानी का दावा कर रही हैं, जबकि ग्रामीण रातों की नींद खोकर लाठी और मशाल के भरोसे अपनी जान बचाने को मजबूर हैं।

खबर संक्षेप

नाटको फार्मा को एनपीपीए से 4.92 करोड़ की नोटिस

नई दिल्ली। दवा कंपनी नाटको फार्मा लिमिटेड को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण से दो दवाओं के लिए अधिक कीमत वसूलने के आरोप में 4.92 करोड़ रुपये से अधिक का मांग नोटिस मिला है। 2013 के पैरा 15 के तहत यह मांग नोटिस जारी किया है, जिसमें कंपनी को 4,92,25,923 रुपये जमा करने का निर्देश दिया गया है।

एचसीसी के लाभ में 34 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। निर्माण कंपनी हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (एचसीसी) का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 34.56 प्रतिशत घटकर 59 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 90.08 करोड़ रुपये रहा था। समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय घटकर 1,017.51 करोड़ रुपये रही।

पटेल इंजीनियरिंग का शुद्ध लाभ बढ़कर 72 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। पटेल इंजीनियरिंग का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक होकर 71.49 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने 2024-25 की चौथी (जनवरी–मार्च) तिमाही में 32.80 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का खर्च 1,498.3 करोड़ रुपये से घटकर 1,311.3 करोड़ रुपये रह गया।

मुथूट फाइनेंस का मुनाफा दोगुने से बढ़कर 3,397 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। मुथूट फाइनेंस का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 3,397 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। 2024-25 में कंपनी ने 1,444 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी की कुल आय बढ़कर 9,291 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 5,627 करोड़ रुपये थी।

आईटीसी होटल्स का लाभ 23 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। आईटीसी होटल्स का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 23.1 प्रतिशत बढ़कर 317.43 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 257.85 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 1,253.70 करोड़ रुपये हो गई।

फुजियामा पावर सिस्टम्स का लाभ दोगुने से अधिक

नई दिल्ली। फुजियामा पावर सिस्टम्स का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक होकर 106.3 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले वर्ष की समान तिमाही में शुद्ध लाभ 51.2 करोड़ रुपये था। बयान में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय बढ़कर 900.8 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 480.3 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 304.1 करोड़ रुपये हो गया जो 2024-25 के 156.3 करोड़ रुपये से अधिक है।

दुनिया पर मंडराया चावल का संकट, 11 साल में पहली बार घटेगी पैदावार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया के करोड़ों लोगों के मुख्य भोजन चावल को लेकर एक चिंताजनक खबर सामने आई है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) की रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि साल 2026-27 के सीजन में वैश्विक चावल उत्पादन में गिरावट आ सकती है। पिछले एक दशक (11 साल) में यह पहला मौका होगा जब दुनिया भर में चावल की पैदावार कम होगी। यूएसडीए की रिपोर्ट में बताया गया है कि आगामी सीजन में वैश्विक चावल उत्पादन 538 मिलियन टन रहने का अनुमान है। भारत, म्यांमार और अमेरिका में सबसे ज्यादा गिरावट देखी जा सकती है। अमेरिका में किसानों द्वारा बुवाई कम करने के कारण पैदावार में 15 प्रतिशत की कमी आ सकती है। चावल की रिकॉर्ड खपत और व्यापार के बीच उत्पादन कम होने से वैश्विक भंडार में भारी कमी आएगी।

- वैश्विक चावल उत्पादन 538 मिलियन टन रहने का अनुमान

ब्लूमबर्ग ने अमेरिकी कृषि विभाग की रिपोर्ट के हवाले से बताया

भारत के लिए क्या चुनौती?

एशियाई देशों के लिए चावल केवल भोजन नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था का आधार है। उत्पादन में कमी न केवल खाने की थाली को महंगा करेगी, बल्कि वैश्विक स्तर पर महंगाई को और हवा दे सकती है। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह अपने घरेलू भंडार और निर्यात के बीच कैसे संतुलन बनाए रखता है, खासकर तब जब मानसून अनिश्चित बना हुआ है।

पैदावार घटने के 2 बड़े कारण

ईरान युद्धः ईरान में जारी युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा और उर्वरक की कीमतों में भारी उछाल आया है। चावल की खेती में उर्वरक का अधिक इस्तेमाल होता है, इसलिए बढ़ती लागत के कारण एशिया के कई किसान इस बार बुवाई से पीछे हट रहे हैं।

अल नीनो का खतरा

दुनिया के सबसे बड़े चावल उत्पादक देश भारत में मानसून पर अल नीनो का साया मंडरा रहा है। जून से शुरू होने वाले मानसून में औसत से कम बारिश होने की आशंका है, जिससे धान की फसल सीधे तौर पर प्रभावित हो सकती है।s

कीमतों में आई तेजी

चावल की कम आपूर्ति का असर अब कीमतों पर दिखने लगा है। एशिया के बेंचमार्क माने जाने वाले थाई चावल की थोक कीमतों में मार्च के अंत से अब तक 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं शिकागो बोर्ड ऑफ ट्रेड में चावल का वायदा भाव (वायदा) पिछले हफ्ते 8 प्रतिशत उछला है, जो दो साल में सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त है। चावल की कमी के कारण फिलीपींस जैसे एशियाई देशों में खाद्य मुद्रास्फीति पहले से ही बढ़ने लगी है।

कर्ज फंसने के मामलों में कमी आने से आया सुधार

बट्टेखाते में डाले गए सार्वजनिक बैंकों के कर्ज 2025-26 में कई साल के निचले स्तर पर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की तरफ से बट्टेखाते में डाले गए कर्ज की राशि वित्त वर्ष 2025-26 में घटकर कई वर्षों के निचले स्तर पर आ गई। कर्ज फंसने के मामलों में कमी और बकाया कर्ज की वसूली में सुधार इसके प्रमुख कारण रहे।

सार्वजनिक बैंकों के वित्तीय नतीजों के द्वारा किए गए विश्लेषण से पता चलता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और इंडियन बैंक सहित अधिकांश बैंकों ने पिछले आठ वर्षों में सबसे कम कर्जों को बट्टेखाते में डाला।

- बैंकों ने बकाया कर्ज की वसूली में की पहले से कड़ाई
- पीएसबी के वित्तीय नतीजों के विश्लेषण से खुलासा
- बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक, पीएनबी ने सबसे कम कर्ज बट्टे खाते में डाला

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 6330 करोड़ कर्ज बट्टेखाते में डाला

बैंक ऑफ बड़ौदा ने वित्त वर्ष 2025-26 में 6,330 करोड़ रुपये के कर्ज बट्टेखाते में डाले, जो 2017-18 के बाद सबसे कम है। इसी तरह, बैंक ऑफ इंडिया ने 5,735 करोड़ रुपये बट्टेखाते में डाले जो 2015-16 के बाद न्यूनतम स्तर है। इंडियन बैंक का कर्ज बट्टाखाता 2018-19 के बाद सबसे कम 6,695 करोड़ रुपये रहा।

एनपीए में गिरावट से कर्ज राशि में कमी : रेटिंग एजेंसी इक्रा के वित्तीय क्षेत्र प्रमुख सचिन सचदेवा ने कहा कि सार्वजनिक बैंकों के बट्टेखाते में डाली गयी कर्ज राशि में कमी की मुख्य वजह नए एनपीए में गिरावट, पुराने फंसे कर्जों में कमी और वसूली में सुधार है।

सीबीआई ने 1718 करोड़ कर्ज बट्टेखाते में डाला

इसी तरह, इंडियन ओवरसीज बैंक का 1,189 करोड़ रुपये रहा, जो कई वर्षों के निचले स्तर पर है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले वित्त वर्ष में 1,718 करोड़ रुपये के कर्ज बट्टेखाते में डाले, जो 2021-22 के बाद सबसे कम है। आमतौर पर बैंक उन कर्जों को बट्टेखाते में डालते हैं, जिनकी वसूली की संभावना कम होती है और जिनके लिए 100 प्रतिशत वित्तीय प्रावधान करना पड़ता है।

बट्टेखाते में डालने के बाद भी वसूली जारी रहती है

कर्ज को बट्टेखाते में डालने से बैंकों का बहीखाता साफ-सुथरा होता है और फंसे कर्ज (एनपीए) का स्तर कम दिखता है। हालांकि, बैंक फंसे कर्ज को बट्टेखाते में डालने के बाद भी वसूली की कोशिश जारी रखते हैं, ताकि बाद में मुनाफे को समर्थन मिले।

सकल एनपीए अनुपात घटकर 1.93 प्रतिशत

वित्त मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च 2026 तक पीएसबी का सकल एनपीए अनुपात घटकर 1.93 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए 0.39 प्रतिशत रह गया, जो ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर है। इस दौरान फंसे कर्ज की कुल वसूली 86,971 करोड़ रुपये रही।

पीएनबी का लाभ 11 फीसदी बढ़ा

बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता, कर्ज वृद्धि और आय में बढ़ोतरी के चलते पीएसबी का शुद्ध लाभ 11.1 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह लगातार चौथा साल है जब सरकारी बैंकों ने सकल रूप से मुनाफा दर्ज किया।

कमजोर रुपया और बढ़ती महंगाई से बाजार में चिंता सेंसेक्स 161 अंक फिसला

एजेंसी ▶▶ मुंबई

- धातु, तेल एवं गैस तथा पीएसयू बैंक शेयरों में रही बिकवाली
- कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से निवेशक रहे सतर्क

घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुक्रवार को शुरुआती बढ़त गंवाकर गिरावट के साथ बंद हुए। धातु, तेल एवं गैस और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच निवेशकों में सतर्कता देखी गई।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव के बीच 160.73 अंक गिरकर 75,237.99 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने एक समय करीब 470 अंक तक की बढ़त ले ली थी। वहीं निफ्टी 46.10 अंक गिरकर 23,643.50 पर बंद हुआ। इसके साथ ही दो दिनों से जारी तेजी पर लगाम लग गई। साप्ताहिक आधार पर बीएसई सेंसेक्स में कुल 2,090.2 अंक गिरावट दर्ज की गई जबकि एनएसई निफ्टी 532.65 अंक के नुकसान में रहा।

मजबूत नतीजों से कुछ सहारा मिला

नायर ने कहा कि चौथी तिमाही के मजबूत नतीजों और आकर्षक मूल्यांकन से कुछ सहारा मिल रहा है, लेकिन निकट भविष्य में बाजार की दिशा वैश्विक घटनाक्रमों और भू-राजनीतिक स्थिति पर निर्भर करेगी। इस बीच, रुपया पहली बार 96 के स्तर के नीचे फिसल गया और 95.94 प्रति डॉलर (अस्थायी) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ।

ईंधन के दाम बढ़ने से महंगाई की चिंता बढ़ी

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, /"कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और वैश्विक तनाव के बीच निवेशक धारणा सतर्क बनी हुई है। घरेलू स्तर पर पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से महंगाई की चिंताएं भी हावी दिखीं। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड तीन प्रतिशत से अधिक चढ़कर 109.23 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

भारत का प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग हुआ 23,000 करोड़ रुपए के पार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग का कारोबार वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 23,021 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। राज्यों में महाराष्ट्र कुल बिक्री में 15.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर रहा। उद्योग संगठन इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। आईडीएसए की 'डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री 2025 आउटलुक' नाम से जारी रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में उद्योग का कारोबार 22,142 करोड़ रुपये था। यह अध्ययन बाजार शोध कंपनी इप्सोस ने किया है। इसे बुधवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में सांसद और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने जारी किया।खंडेलवाल ने कहा कि देश 'विकसित भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहा है और ऐसे क्षेत्रों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी जो उद्यमिता, स्वरोजगार और समावेशी आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग ने पिछले छह वर्षों में 6.5 प्रतिशत की संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की है। उद्योग का कारोबार वित्त वर्ष 2019-20 के लगभग 16,800 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 23,021 करोड़ रुपये हो गया। क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार, कुल बिक्री में उत्तरी क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक 27.58 प्रतिशत रही।

- राज्यों में महाराष्ट्र कुल बिक्री में सबसे आगे रहा
- वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़ा

दूसरे स्थान पर पश्चिम बंगाल रहा

राज्यों में महाराष्ट्र 15.31 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद क्रमशः पश्चिम बंगाल (10.88 प्रतिशत), उत्तर प्रदेश (8.82 प्रतिशत), कर्नाटक (6.37 प्रतिशत) और बिहार (5.61) प्रतिशत का स्थान रहा। रिपोर्ट में कहा गया कि स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी उत्पादों की हिस्सेदारी कुल बिक्री में करीब 60 प्रतिशत रही।

बेरोजगारी दर अप्रैल में छह महीने के उच्च स्तर पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए बेरोजगारी दर बढ़कर अप्रैल महीने में 5.2 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो छह महीने का उच्च स्तर है। शुक्रवार को जारी निश्चित अवधि पर होने वाले श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट से यह जानकारी मिली।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की तरफ से जारी पीएलएफएस मासिक बुलेटिन के मुताबिक, देश में बेरोजगारी दर का पिछला उच्च स्तर अक्टूबर 2025 में भी 5.2 प्रतिशत दर्ज किया गया था। बेरोजगारी दर मार्च, 2026 और अप्रैल, 2025 दोनों महीनों में 5.1 प्रतिशत पर रही थी। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर अप्रैल 2026 में मामूली रूप से घटकर 6.6 प्रतिशत रह गई, जबकि मार्च में यह 6.8 प्रतिशत थी। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में यह बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो गई, जो एक माह पहले 4.3 प्रतिशत थी। पुरुषों में बेरोजगारी की दर अप्रैल महीने में 5.1 प्रतिशत रही, जो मार्च में पांच प्रतिशत और अप्रैल 2025 में 5.2 प्रतिशत थी।

- श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट में दी गई जानकारी
- अप्रैल में बढ़कर 5 .2 प्रतिशत पर पहुंची

शहरी महिलाओं में बेरोजगारी घटी

शहरी महिलाओं में बेरोजगारी घटकर 8.5 प्रतिशत रह गई, जो मार्च में नौ प्रतिशत थी। मंत्रालय ने कहा कि देश में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) अप्रैल 2026 में घटकर 55 प्रतिशत रह गई, जो मार्च में 55.4 प्रतिशत और अप्रैल 2025 में 55.6 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में श्रम बल भागीदारी की दर 57.5 प्रतिशत रही जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 50.1 प्रतिशत रही।

आयकर के आईटीआर फॉर्म दाखिल करने की ऑनलाइन सुविधा शुरू

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म को ऑनलाइन दाखिल करने की सुविधा शुक्रवार को शुरू कर दी। ये फॉर्म मुख्य रूप से छोटे और मध्यम करदाताओं द्वारा भरे जाते हैं। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटी और ऑनलाइन फाइल करने की सुविधा अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध है। इन दोनों फॉर्म को 30 मार्च को अधिसूचित किया गया था।

भारत का निर्यात अप्रैल में 13.78 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश का निर्यात अप्रैल में 13.78 प्रतिशत बढ़कर 43.56 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले चार वर्षों से अधिक समय में किसी एक महीने का उच्चतम स्तर है। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में वृद्धि से कुल निर्यात बढ़ा है। आयात बढ़ने से व्यापार घाटा तीन महीने के उच्चस्तर 28.38 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में आयात 10 प्रतिशत बढ़कर 71.94 अरब डॉलर हो गया, जो छह महीने का उच्चस्तर है। अप्रैल 2025 में व्यापार घाटा 27.1 अरब डॉलर और मार्च 2026 में 20.67 अरब डॉलर था।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक तनाव के बावजूद देश का निर्यात मजबूत वृद्धि दर्ज कर रहा है। अप्रैल में निर्यात वृद्धि की रफ्तार पिछले पांच महीनों में सबसे तेज रही। उन्होंने कहा कि कई वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी का भी निर्यात मूल्य वृद्धि में योगदान रहा है।

- निर्यात बढ़कर 43 .56 अरब डॉलर पर
- आयात बढ़ने से व्यापार घाटा बढ़ा

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 696.99 अरब डॉलर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार आठ मई को समाप्त सप्ताह में 6.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.99 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 7.79 अरब डॉलर घटकर 690.69 अरब डॉलर पर रहा था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 फरवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद रुपये पर दबाव बढ़ने से आरबीआई को डॉलर बेचकर बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, आठ मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 56.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 552.39 अरब डॉलर हो गईं।

डॉलर मजबूत होने से निवेशकों ने की भारी मुनाफावसूली

वैश्विक बिकवाली से चांदी 21,600 रुपए टूटी, सोना 3,200 रुपए लुढ़का

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को चांदी का भाव 21,600 रुपये टूटकर 2.75 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गया जबकि सोने की कीमत 3,200 रुपये टूटकर 1.62 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। मजबूत डॉलर और निवेशकों की भारी मुनाफावसूली से यह गिरावट आई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 3,200 रुपये यानी 1.93 प्रतिशत टूटकर 1,62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। बृहस्पतिवार को बाजार बंद होने के समय इसकी कीमत 1,66,000 रुपये प्रति 10 ग्राम थी।

- चांदी टूटकर 2 .75 लाख रुपए प्रति किलोग्राम रह गई

चांदी में 7.3 प्रतिशत की टूट

चांदी की कीमतें भी 21,600 रुपये यानी 7.3 प्रतिशत टूटकर 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर समेत) रह गईं।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से सोना हुआ कमजोर

एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक (जिंस एवं मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, "सोने की कीमतों पर दबाव दिखा, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और डॉलर सूचकांक के मजबूत होने के कारण सोने में तेज गिरावट आई। इससे सर्राफा बाजार की कारोबारी धारणा कमजोर हुई।

सोना आयात 82 प्रतिशत और चांदी आयात 157 फीसदी उछला : सोने की ऊंची कीमतों के बीच अप्रैल में भारत का सोने का आयात 81.69 प्रतिशत बढ़कर 5.62 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, सरकार के आयात शुल्क बढ़ाने के बाद आने वाले महीनों में इसमें कमी आने की संभावना जताई गई है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में चांदी का आयात 157.16 प्रतिशत बढ़कर 41.1 करोड़ डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 में सोने का आयात मूल्य के लिहाज से 24 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 71.98 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

आयात शुल्क बढ़ने से आयात पर पड़ेगा असर : मात्रा के लिहाज से आयात 4.76 प्रतिशत घटकर 721.03 टन रहा। सरकार ने 13 मई से सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि आयात शुल्क बढ़ने से वर्ष के दौरान सोने और चांदी के आयात पर असर पड़ेगा और इनमें कमी आ सकती है। शुल्क वृद्धि का असर अपेक्षाकृत कम हो सकता है।

पिछले कारोबारी सत्र में चांदी की कीमत 2,96,600 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

महंगाई को लेकर बढ़ती चिंताएं

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "शुक्रवार को कीमती धातुओं पर भारी बिकवाली का दबाव रहा। महंगाई को लेकर लगातार बढ़ती चिंताओं ने सख्त मौद्रिक नीति की जरूरत को और मजबूत किया है।"

सोने में निवेशकों का आकर्षण हुआ कम

गांधी ने कहा कि इस नजरिए ने निवेशकों को डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल की ओर धकेला, जिससे सोने का आकर्षण कम हो गया। इस तेज गिरावट से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी कमजोरी दिखी। हाजिर सोना 104 डॉलर यानी 2.24 प्रतिशत टूटकर 4,548.46 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी 5.26 डॉलर यानी 6.31 प्रतिशत टूटकर 78.21 डॉलर प्रति औंस रह गई।

एयर इंडिया का घाटा बढ़कर 26,700 करोड़ रुपए से अधिक

नई दिल्ली। एयर इंडिया को वित्त वर्ष 2025-26 में 3.56 अरब सिंगापुर डॉलर (26,700 करोड़ रुपये से अधिक) का शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने यह जानकारी विभिन्न वैश्विक चुनौतियों और हवाई क्षेत्र पर लगे प्रतिबंधों के बीच दी है। सिंगापुर एयरलाइंस ग्रुप द्वारा जारी रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए। एयर इंडिया समूह में एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस शामिल हैं। 2025-26 में एयर इंडिया का कुल व्यापक घाटा 3.55 अरब सिंगापुर डॉलर (लगभग 26,700 करोड़ रुपये से अधिक) रहा।

सालों का संघर्ष, 98 दिन में जुटे साक्ष्य, और 242 पन्नों का ऐतिहासिक फैसला

सत्य की 'सनातन' विजय

इंदौर की हाईकोर्ट बेंच ने धार जिले की भोजशाला को मंदिर माना और साक्ष्यों के आधार पर कहा है कि सर्वे में जो प्रमाण मिले हैं, वो स्पष्ट करते हैं कि ये हिंदू धर्म की आस्था का केंद्र है। पहले भी यहां मंदिर ही रहा है। इस फैसले से पहले करीब एक हजार साल तक विवाद रहा और हर साल वसंत पंचमी पर सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बनी रहती थी। अब अदालती आदेश के साथ इसे सत्य की 'सनातन' विजय मानकर प्रफुल्लित हैं। हरिभूमि ने इस विवाद और इसके ऐतिहासिक महत्व के साथ विवाद की मूल जड़ों को छूने का प्रयास किया है।

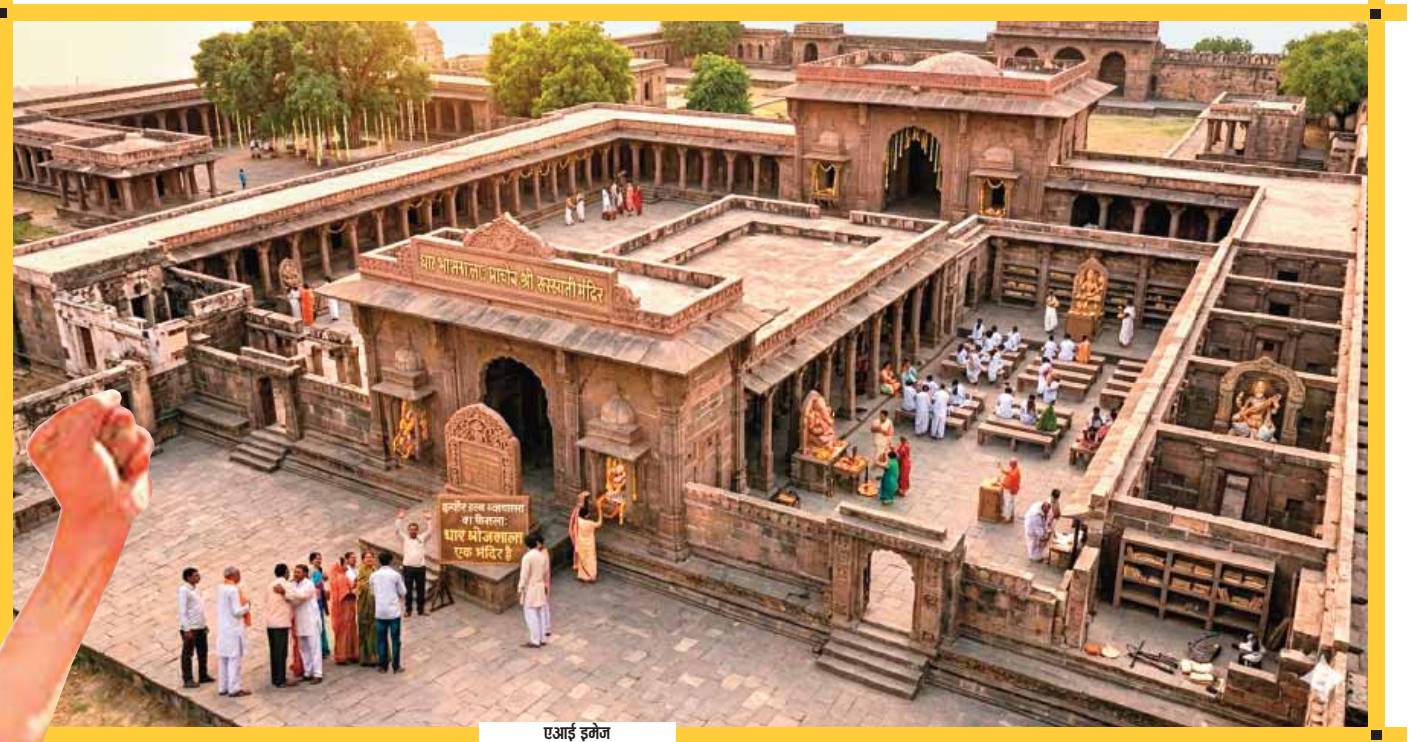

एआई इमेज

भोजशाला का इतिहास 11वीं शताब्दी से जुड़ा माना जाता है। मान्यता है कि यहां मां सरस्वती का मंदिर और विद्या केंद्र था। बताया जाता है कि 12वीं-13वीं शताब्दी में मंदिर को ध्वस्त कर वहां मकबरा और मस्जिद का निर्माण किया गया। रॉयल एशियाटिक सोसाइटी में प्रकाशित माइकल विलिस के रिसर्च पेपर 'धार, भोज और सरस्वती' के अनुसार भोजशाला शब्द का उपयोग पहली बार जर्मन भारतविद एलॉइस एंटोन फ्यूहरर ने 1893 में किया था। बाद में ब्रिटिश अधिकारी के.के. लेले ने भी इस स्थल का उल्लेख किया और यहां मिले संस्कृत शिलालेखों की व्याख्या शुरू करवाई। इसी दौरान यह बात सामने आई कि वर्तमान ढांचे का निर्माण ध्वस्त मंदिर के अवशेषों से किया गया था। एएसआई रिपोर्ट में बताया गया कि अंग्रेज शासनकाल में भी भोजशाला का सर्वे हुआ था। इसके अलावा वर्ष 1987 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा किए गए उत्खनन में भोजशाला से हिंदू धर्म से जुड़ी 32 मूर्तियां मिली थीं। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया है कि वर्तमान संरचना यानी कमाल मौला दरगाह के निर्माण में पहले से मौजूद मंदिर के हिस्सों का उपयोग किया गया था। भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद विवाद में हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। हिंदू पक्ष के वकील के अनुसार कोर्ट ने भोजशाला परिसर को हिंदू मंदिर माना है। कोर्ट ने जैन समाज और मुस्लिम पक्ष की याचिकाएं खारिज कर दी हैं। यह फैसला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है, जिस पर अदालत ने भरोसा जताया है। इस फैसले के बाद यह मामला फिर से चर्चा में आ गया है और इसे विवादित स्थल के स्वरूप को लेकर एक अहम निर्णय माना जा रहा है।

भोजशाला शब्द का उपयोग पहली बार जर्मन भारतविद एलॉइस एंटोन फ्यूहरर ने 1893 में किया था

अंग्रेजों ने भी सर्वे कराया था जिसमें हिंदू धर्म से जुड़ी 32 मूर्तियां मिलीं थी

2022 में शुरू हुआ कानूनी विवाद

भोजशाला विवाद का नया कानूनी अध्याय साल 2022 में शुरू हुआ। उस समय रंजना अग्निहोत्री और उनके सहयोगियों ने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करने और हिंदू समाज को वहां पूर्ण पूजा अधिकार देने की मांग की गई थी। इसके बाद 11 मार्च 2024 को हाईकोर्ट ने एएसआई को पूरे परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने का आदेश दिया। एएसआई ने 22 मार्च 2024 से 98 दिनों तक परिसर का सर्वे किया और 15 जुलाई 2024 को 2000 से अधिक पन्नों की रिपोर्ट अदालत में पेश की।

राजा भोज से अदालत तक का सफर

1010-1055 : राजा भोज का शासनकाल।
1034 : सरस्वती सदन निर्माण का उल्लेख।
1305-1409 : मालवा पर आक्रमण और संरचनात्मक बदलाव।
1459 : कमाल मौला से जुड़ी संरचना का उल्लेख।
1875 : खुदाई में वाग्देवी प्रतिमा मिलने का दावा।
1909 : परिसर को संरक्षित स्मारक घोषित किया गया।
1934 : भोजशाला और कमाल मौला मस्जिद को लेकर प्रशासनिक आदेश।
1952 : वसंत पंचमी पर भोज उत्सव।
2003 : पूजा और नमाज की अलग-अलग दिन व्यवस्था लागू।
2022 : हाई कोर्ट में नई रिट याचिका दाखिल।
2024 : एएसआई सर्वे का आदेश।
2026 : हाई कोर्ट ने भोजशाला परिसर को मंदिर माना।

भोजशाला में नया सवेराः सांस्कृतिक पुनरुत्थान का शंखनाद

हाईकोर्ट में चली लंबी सुनवाई

इंदौर हाईकोर्ट की डबल बेंच ने 6 अप्रैल 2026 से इस मामले में नियमित सुनवाई शुरू की। 12 मई 2026 तक चली सुनवाई में हिंदू, मुस्लिम और जैन पक्षों ने अपने-अपने दावे और साक्ष्य अदालत में पेश किए। करीब एक महीने से ज्यादा चली सुनवाई के दौरान अदालत में हजारों दस्तावेज, ऐतिहासिक रिकॉर्ड, पुरातात्विक साक्ष्य और धार्मिक दावे रखे गए। सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

हिंदू पक्ष ने मंदिर होने के दिए तर्क

सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन, विनय जोशी और याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने भोजशाला को मंदिर बताते हुए कई ऐतिहासिक और पुरातात्विक साक्ष्य कोर्ट में पेश किए। हिंदू पक्ष ने कहा कि परिसर में मिले स्तंभ, देवी सरस्वती से जुड़े प्रतीक, संस्कृत और प्राचीन नागरी लिपि के शिलालेख मंदिर स्वरूप की ओर संकेत करते हैं। ब्रिटिशकालीन गजेटियर और इतिहासकारों के दस्तावेजों में भी भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर और शिक्षा केंद्र बताया गया है। याचिकाकर्ताओं ने यह भी दावा किया कि यहां लंबे समय से वसंत पंचमी पूजा-अर्चना की परंपरा रही है और परिसर के कई संरचनात्मक तत्व इस्लामी स्थापत्य से पहले के हैं।

ये थे मंदिर होने के प्रमाण

- परिसर में चारों दिशाओं में 106 खड़े और 82 आड़े स्तंभ मिले, यानी कुल 188 स्तंभ पाए गए। मंदिर स्थापत्य का हिस्सा थे।
- भोजशाला की दीवारों पर देवी-देवताओं की आकृतियां मिलीं।
- खुदाई में मिली कलाकृतियां संगमरमर, नरम पत्थर, बलुआ पत्थर और चूना पत्थर से तैयार की गई थीं।
- इनमें गणेश, नृसिंह, भैरव, देवी-देवताओं और पशुओं की आकृतियों के चिन्ह मिले हैं।
- सर्वे में दो ऐसे स्तंभ भी मिले हैं, जिन पर ॐ सरस्वत्यै नमः लिखा हुआ है।

मुस्लिम पक्ष ने एएसआई रिपोर्ट पर उठाए सवाल

मुस्लिम पक्ष ने कोर्ट में एएसआई की सर्वे रिपोर्ट को पक्षपातपूर्ण बताया। उनका कहना था कि यह रिपोर्ट हिंदू पक्ष के दावों को मजबूत करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। हालांकि एएसआई ने अदालत में स्पष्ट कहा कि सर्वे पूरी तरह वैज्ञानिक तरीके से किया गया और इसमें मुस्लिम समुदाय के विशेषज्ञ भी शामिल थे। एएसआई की रिपोर्ट में दावा किया गया कि मौजूदा ढांचे से पहले वहां परमार राजाओं के समय की एक विशाल संरचना मौजूद थी और वर्तमान ढांचा मंदिर के अवशेषों का उपयोग करके बनाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक परिसर में लाल पत्थरों के नक्काशीदार स्तंभ, सभा कक्ष, यज्ञ कुंड, संस्कृत और प्राकृत भाषा के शिलालेख मिले हैं। इनमें परमार वंश के राजा नरवर्मन का भी उल्लेख है। एएसआई ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि खंभों और दीवारों पर बनी मानव और पशु आकृतियों को जानबूझकर क्षतिग्रस्त किया गया था। रिपोर्ट में परिसर को साहित्यिक और शैक्षणिक गतिविधियों का बड़ा केंद्र भी बताया गया है। एएसआई के अनुसार वहां मिले शिलालेखों में संस्कृत वर्णमाला, व्याकरण के नियम और 'कर्पूरमंजरी' नामक नाटक के अंश भी मिले हैं।

भोजशाला-कमाल मौला विवाद

भोजशाला को हिंदू पक्ष मां सरस्वती का प्राचीन मंदिर और संस्कृत अध्ययन केंद्र मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौला मस्जिद बताता रहा है। यही दोहरे दावे दशकों से विवाद की जड़ बना हुए था। अभी तक तय व्यवस्था के अनुसार यहां अलग-अलग दिनों में पूजा और नमाज की अनुमति दी जाती रही है। लेकिन अब मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए मुस्लिम पक्ष के नमाज पर रोक लगा दी है। यहां सिर्फ हिंदू पक्ष पूजा कर सकेंगे। इसके बाद मुस्लिम पक्ष इस फैसले से संतुष्ट नहीं है और बहुत जल्द सभी प्रमाण और साक्ष्यों के साथ सुप्रीम कोर्ट कर दरवाजा खटखटाने की बात कही जा रही है। इसकी तैयारी भी शुरु होना बताया है।

हालिया कानूनी जंग और 98 दिनों का सर्वे

फरवरी 2024: हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस नामक संगठन ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर हिंदुओं को पूजा का अधिकार देने और एएसआई सर्वे की मांग की।
11 मार्च 2024: मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने विवादित परिसर का वैज्ञानिक सर्वे करने का आदेश दिया।
मार्च - जून 2024 (98 दिन का सर्वे): एएसआई की टीम ने आधुनिक तकनीकों (जीपीआर, कार्बन डेटिंग, जीपीएस) का उपयोग करके 98 दिनों तक परिसर का गहन वैज्ञानिक सर्वे किया। इस दौरान देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियां मिलीं।
जुलाई 2024: एएसआई ने अपनी विस्तृत सर्वे रिपोर्ट हाई कोर्ट में पेश की।

15 मई 2026 का ऐतिहासिक फैसला

242 पन्नों का फैसला: हाई कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 242 पन्नों का विस्तृत निर्णय जारी किया
मुख्य निर्णय: कोर्ट ने माना कि भोजशाला मूल रूप से वाग्देवी का मंदिर है
नियम: परिसर में अब नमाज पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी और हिंदुओं को रोजाना नियमित पूजा करने का अधिकार होगा। मुस्लिम पक्ष को कलेक्टर के माध्यम से अन्य स्थान पर जमीन देने की बात कही गई है।

अहम माना गया संस्कृत शिलालेख

एएसआई रिपोर्ट में 150 से अधिक संस्कृत और प्राकृत अभिलेखों का जिक्र किया गया है। इनमें कई अभिलेख नागरी लिपि में बताए गए हैं और उनका संबंध परमार शासकों से जोड़ा गया। रिपोर्ट के अनुसार ये अभिलेख अरबी-फारसी लेखों से पुराने हैं।

विवाद में वाग्देवी प्रतिमा भी बड़ा मुद्दा

विवाद में मां वाग्देवी की प्रतिमा का मुद्दा भी प्रमुख रहा है। रिकार्ड के अनुसार 1875 में खुदाई के दौरान प्रतिमा मिलने का उल्लेख है। बाद में ब्रिटिश अधिकारी इसे इंग्लैंड ले गए। हिंदू संगठनों ने कई बार प्रतिमा को वापस भारत लाने की मांग उठाई।

2003 की व्यवस्था बनी विवाद की जड़

2003 में लागू व्यवस्था के तहत मंगलवार को हिंदू पक्ष को पूजा और शुक्रवार को मुस्लिम पक्ष को नमाज की अनुमति दी गई। जब वसंत पंचमी और शुक्रवार एक ही दिन पड़ते हैं, तब विवाद और तनाव की स्थिति बनती रही है।

कोर्ट में जाने का ये था आधार

2022 में हिंदू फ्रंट फार जस्टिस और भोज उत्सव समिति से जुड़े पक्षकारों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर परिसर के मूल स्वरूप की वैज्ञानिक जांच की मांग की। याचिका में एएसआई सर्वे, की मांग थी।